web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 14 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 76

महत्वपूर्ण एवं खास

दिल्ली के 4 स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस की जांच शुरू

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी रुकने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को एक बार फिर 4 प्रमुख स्कूलों में बम होने की सूचना दी गई है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), सलवान स्कूल, मॉडर्न स्कूल और कैम्ब्रिज स्कूल में ईमेल के जरिए धमकी दी गई है।सूचना के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया है। स्कूल परिसर की जांच जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईमेल में लिखा है, आपके स्कूल में कई विस्फोटक हैं। मुझे यकीन है कि आप स्कूल में प्रवेश करते समय बच्चों के बैग की बार-बार जांच नहीं करते। इसमें एक डार्क वेब समूह और कई रेड रूम शामिल हैं। बम इमारत को नुकसान पहुंचाने के लिए ताकतवर है। 13-14 दिसंबर वो दिन हो सकता है, जब स्कूल को बम का सामना करना पड़े। मांगों के लिए ईमेल का जवाब दें, वरना विस्फोट कर दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात 12:54 बजे स्कूलों के ईमेल पर धमकी मिली थी, जिसे सुबह 6:23 बजे कैम्ब्रिज और डीपीएस ने सबसे पहले देखा था।ईमेल मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिन्होंने पूरे परिसर की जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। स्कूलों ने अभिभावकों को भी सूचित किया है।बता दें, 9 दिसंबर को दिल्ली के 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश से जलभराव, चेन्नई और बेंगलुरु के लिए अलर्ट जारी

चेन्नई (आरएनएस)। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव क्षेत्र के कारण दक्षिण भारतीया राज्यों में बारिश का दौर जारी है।तमिलनाडु के कई क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। इससे जन-जीवन प्रभावित हो रहा है।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार के लिए चेन्नई और बेंगलुरु में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, अन्य इलाकों में भी बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी के अनुसार, शुक्रवार को तमिलनाडु के चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है।इसी तरह रानीपेट, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, अरियालुर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, करूर, डिंडीगुल, तिरुप्पुर और कोयंबटूर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है।अधिकारियों ने चेम्बरमबक्कम जलाशय से 1,000 क्यूसेक पानी छोड़ते हुए अड्यार नदी के किनारे निचले इलाकों के लिए बाढ़ की चेतावनी भी जारी की है। 24 फीट की क्षमता वाला जलाशय 23.29 फीट भर चुका है। आईएमडी ने बेंगलुरु शहर, बेंगलुरु ग्रामीण और आसपास के जिलों के लिए शुक्रवार को फिर से भारी बारिश की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।बेंगलुरु में न्यूनतम और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। शहर में आर्द्रता का स्तर 86 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो बुधवार के स्तर से अधिक है।बता दें कि बेंगलुरु में गुरुवार को भी भारी बारिश से कई इलाकों में जलभराव हुआ था।

राहुल गांधी को गुल्लक भेंट करने वाले बच्चों के माता-पिता ने की खुदकुशी

सीहोर/भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में कारोबारी मनोज परमार और उनकी पत्नी नेहा ने फांसी के फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली है। मनोज के बच्चों ने राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गुल्लक भेंट की थी। कांग्रेस ने प्रवर्तन निदेशालय पर मनोज को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार सीहोर के आष्टा में रहने वाले मनोज परमार और उनकी पत्नी नेहा के शव शुक्रवार की सुबह फांसी के फंदे से लटके मिले। प्रारंभिक तौर पर इसे आत्महत्या बताया जा रहा है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच कर रही है। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मनोज के बच्चों ने अन्य बच्चों की टीम के साथ गुल्लक भेंट की थी। उसके बाद से मनोज चर्चा में थे। अभी हाल ही में मनोज के इंदौर और आष्टा के ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी और दस्तावेज भी जब्त किए थे।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की प्रथम मुख्य परीक्षा की तैयारी शुरू

रायपुर । आरएनएस

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) 10वीं और 12वीं प्रथम मुख्य परीक्षा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दोनों कक्षाओं की परीक्षा मार्च से शुरू होगी. हालांकि, अभी शेड्यूल की घोषणा नहीं की गई है.

परीक्षा केंद्र पांच किमी से अधिक दूर नहीं होगा. इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र लिखकर जानकारी मांगी गयी है. दरअसल इस सत्र में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं दो बार आयोजित की जा रही हैं. इसे ध्यान में रखते हुए तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

बताया जाता है कि शेड्यूल पर भी काम हो चुका है, लेकिन अभी इसकी घोषणा नहीं की गई है। वहीं, 10वीं और 12वीं कक्षा के नियमित अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तारीख खत्म हो गई है. ऐसे में शिक्षा विभाग के पास सभी जगह से रिकार्ड मंगाया जा रहा है। इसके बाद कार्यक्रम की घोषणा की जायेगी.

परीक्षा केंद्रों की तैयारियां शुरू हो गई हैं

यहां परीक्षा केंद्रों को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र की दूरी पांच किलोमीटर से अधिक नहीं होगी, परीक्षा का समय सुबह होने के कारण दूर-दराज के इलाकों के छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ता है.

वहीं, बस्तर और सरगुजा इलाके में इस बार परीक्षा केंद्र बढ़ाने की योजना है, क्योंकि इन इलाकों में परीक्षा केंद्र पांच किलोमीटर की दूरी पर हैं. ऐसे में उपकरणों की कमी के कारण विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है.

पिछले साल छह लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे

पिछले साल 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में करीब छह लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें से 3 लाख 40 हजार 220 लाख छात्रों ने 10वीं कक्षा की परीक्षा दी थी. परीक्षा परिणाम 75.61 प्रतिशत रहा। वहीं, 10वीं क्लास में 73 स्टूडेंट्स ने मेरिट लिस्ट में जगह बनाई। इसी तरह 12वीं की परीक्षा में दो लाख 58 हजार 700 से ज्यादा छात्र शामिल हुए थे. रिजल्ट 80.74 फीसदी रहा. 12वीं कक्षा में 23 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में जगह बनाई है।

प्रैक्टिकल परीक्षा की तिथि तय

कक्षा 10 और 12 की प्रैक्टिकल परीक्षा 10 से 31 जनवरी के बीच होगी. माशिमं ने कहा कि स्कूलों को 31 जनवरी तक सुविधानुसार योजना बनानी होगी। वहीं, इन कक्षाओं की प्री-बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है। प्री बोर्ड परीक्षा 20 जनवरी से 29 जनवरी तक आयोजित की जाएगी. यानी इस बार प्रैक्टिकल परीक्षा और प्री-बोर्ड परीक्षा एक ही महीने में आयोजित की जाएगी.

यूजीसी नेट के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की आज आखिरी तारीख है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से यूजीसी नेट दिसंबर 2024 के लिए आज यानी 10 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा 1 से 19 जनवरी 2025 तक सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। इसी तरह 12 से 13 दिसंबर के दौरान अभ्यर्थियों को गलतियां सुधारने का मौका दिया जाएगा।

आवेदन के दौरान हुई त्रुटियों को ऑनलाइन ठीक किया जा सकता है। उम्मीदवारों के पास आवेदन शुल्क का भुगतान करने के लिए 11 दिसंबर तक का समय है। सामान्य वर्ग के लिए फीस रु. 1,150, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी के लिए रु. 600 है

इस बार 85 विषयों की परीक्षा होगी

एससी, एसटी, दिव्यांग, थर्ड जेंडर के लिए फीस 325 रुपये है। जिन उम्मीदवारों ने मास्टर डिग्री पूरी कर ली है या अंतिम वर्ष में हैं, वे परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। चार वर्षीय यूजी पास या अंतिम वर्ष के छात्र एनईपी-2020 पाठ्यक्रम से नेट के लिए आवेदन जमा कर सकते हैं। एनटीए की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक इस बार 85 विषयों की परीक्षा होगी. जून में आयोजित नेट परीक्षा में 83 विषय शामिल थे।

नतीजे तीन श्रेणियों में घोषित किए जाएंगे

इस साल यूजीसी नेट परीक्षा को लेकर एक अहम बदलाव हुआ है। इस वर्ष से तीन श्रेणियों में परीक्षा का परिणाम घोषित होना शुरू हो गया है। जून में आयोजित परीक्षा का परिणाम भी तीन श्रेणियों में घोषित किया गया है।

अल्लू अर्जुन को हैदराबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार, महिला की मौत से जुड़ा है मामला

हैदराबाद । आरएनएस

इन दिनों सिनेमाघरों में पुष्पा 2 छाई है। फिल्म के हीरो हैं अल्लू अर्जुन। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन से ही जोरदार कमाई कर रही है। खासकर इसमें अल्लू के काम की बड़ी तारीफ हो रही है।हालांकि, अब अल्लू से जुड़ी ऐसी खबर सामने आ रही है, जिससे उनके प्रशंसक हैरान-परेशान हो जाएंगे।दरअसल, पुष्पा 2 के प्रीमियर के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में हैदराबाद पुलिस ने अभिनेता को गिरफ्तार कर लिया है।

अल्लू को हैदराबाद के संध्या थिएटर में मची भगदड़ में हुई महिला की मौत के मामले में हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।बता दें कि पुष्पा 2 के पेड प्रीव्यू के दौरान अल्लू संध्या थिएटर पहुंचे थे, जहां उन्हें प्रशंसक बेकाबू हो गए और इसके चलते फिल्म देखने आई एक महिला की मौत हो गई और उसका बच्चा बुरी तरह घायल हो गया।इस मामले से निपटने के लिए अल्लू ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था।

के ए पॉल ने किया अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी का विरोध: सभी के लिए समान न्याय की मांग- प्रसिद्ध राजनीतिक नेता और लोकप्रिय धर्म प्रचारक डॉ. के ए पॉल ने हाल ही में अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी पर कड़ा विरोध जताया है। अपने बेबाक बयान में डॉ. पॉल ने कानून के चयनात्मक प्रवर्तन पर सवाल उठाए और यह भी चिंताएं जताई कि सत्ता में बैठे प्रभावशाली नेताओं और आम नागरिकों या सितारों के साथ दोहरे मापदंड क्यों अपनाए जाते हैं।तेलुगु सुपरस्टारअल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी ने कई लोगों को हैरान कर दिया है।

हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं : लोकसभा में बोले रक्षा मंत्री

नई दिल्ली । आरएनएस

संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को 14वां दिन है। लोकसभा में संविधान पर चर्चा शुरू हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में संविधान पर बहस की शुरुआत की। यह बहस संविधान को अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक विशेष पार्टी द्वारा संविधान निर्माण के काम को हमेशा हाईजैक करने की कोशिश की गई है। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं, कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा, भारत के मूल्यों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हम भारत के लोगों ने, 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान को अपनाया, अधिनियमित किया और राष्ट्र को समर्पित किया था। यह वह दिन था, जब भारत के लोग 'प्रजा' से 'नागरिक' बने थे। ऐसे नागरिक जिनके अपने मौलिक अधिकार थे और उनके पास एक भारतीय नागरिक होने का गौरव था। ऐसे लोग अपनी सरकार चुन सकते थे और सरकारों को बदल सकते थे। अब देश में राजा-रानी का शासन नहीं था। राजतंत्र और ब्रिटिश तंत्र नहीं था, बल्कि जनता का शासन था और लोकतंत्र था। संविधान को अंगीकार करने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, इस सदन और समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही भारत की आजादी और भारत के संविधान निर्माण से जुड़े, सभी महानुभावों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और उन सभी को शीश झुकाकर नमन करता हूं।

भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, एक विशेष पार्टी द्वारा संविधान निर्माण के काम को हमेशा हाईजैक करने की कोशिश की गई है। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं, कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा, भारत के मूल्यों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है। पश्चिमी सभ्यता में नाइट वॉचमैन स्टेट का कॉन्सेप्ट है। इसका अर्थ है कि सरकार का दायित्व लोगों को सुरक्षा प्रदान करने तक ही सीमित रहे। किंतु हमारे देश में राजधर्म की बात कही गई है। हमारे यहां राजा भी राजधर्म से बंधा हुआ है। उसकी शक्तियां लोगों के कल्याण के लिए है। समाज के कमजोर वर्ग के लिए है। हमारा संविधान नागरिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा संविधान नागरिकों के समग्र विकास में रास्ते में आने वाली बाधाओं को हटाने का निर्देश देता है। उन्होंने कहा , मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ काम कर रही है, हमारी सरकार भारत के संविधान में लिखे धर्म और भावना के अनुरूप काम कर रही है। हमारा संविधान प्रगतिशील है,समावेशी है, परिवर्तनकारी है। यह हमारा देश है जहां एक गरीब परिवार में पैदा हुआ व्यक्ति भी देश का प्रधानमंत्री बन सकता है और वह देश का राष्ट्रपति भी बन सकता है।

पीएससी ने बदला पैटर्न : अभ्यर्थियों के सामने नहीं जांचे दस्तावेज, शपथ पत्र लेकर किया रवाना

रायपुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने अंतत: दस्तावेज सत्यापन को लेकर अपने पैटर्न में बदलाव किए हैं। लगातार निर्मित हो रही विवाद की स्थिति के बाद बुधवार पीएससी को ने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए नई व्यवस्था की थी।

मामला उच्च शिक्षा विभागके अंतर्गत प्राध्यापक भर्ती का है। प्राध्यापकों के 595 पदों पर पीएससी द्वारा भर्ती की जानी है। इसके लिए सर्वप्रथम 2 दिसंबर से दस्तावेज सत्यापन का शेड्यूल तय किया गया था। उस वक्त उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जो टीम जांच के लिए भेजी गई थी, वे विभिन्न आधार पर प्राध्यापक पद के उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों की गणना नहीं कर सकी थी। उस वक्त भी हंगामा हुआ था, जिसके पश्चात पीएससी ने दस्तावेज सत्यापन स्थगित कर दिया था।

10 दिसंबर से स्थगित दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया दोबारा शुरु की गई, लेकिन पुन: वही समस्या सामने आई तो पूर्व में दी गई तिथियों में आई थी। मंगलवार को हंगामे के बाद बुधवार को पीएससी ने अपना तरीका ही बदल दिया। पीएससी द्वारा सभी कैंडिडेट्स को एक फॉर्मेट दिया गया था, जिसमें उन्हें अपने शोध पत्र, पीएचडी, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन सहित अन्य तरह की जानकारी प्रदान करनी थी। इसके आधार पर उनके अंक तय होंगे। मंगलवार तक कैंडिडेट्स को सम्मुख बैठाकर अंकों की गणना की जा रही थी, इसलिए विवाद की स्थिति निर्मित हो रही थी।

मंगलवार को पीएससी ने सिर्फ एक ही पैनल जांच के लिए रखी थी। एक पैनल में तीन सदस्य होते हैं। बुधवार को पैनल की संख्या बढक़ार तीन कर दी गई है। इसके बाद प्राध्यापक पद के उम्मीदवारों ने राहत की सांस ली। ये पैनल सभी आवेदनों के अंकों की गणना करने के पश्चात अंतिम सूची जारी करेगी। गौरतलब है कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राध्यापकों के इन पदों पर भर्ती 2021 में निकाली गई थी। प्राध्यापकों के रिसर्च पेपर किस जर्नल में प्रकाशित हुए हैं, इसके आधार पर उन्हें कम-ज्यादा अंक मिलते हैं। यूजीसी द्वारा इसके लिए मापंदड निर्धारित किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार की कैबिनेट बैठक में अहम फैसला लेते हुए अनुसूचित जनजाति (एसटी) के युवाओं को पुलिस भर्ती में बड़ी छूट दी गई है। अभ्यर्थियों को एक बार के लिए ऊंचाई और सीने के निर्धारित मापदंड में छूट दी जाएगी। दोबारा यह फायदा उन्हें नहीं मिलेगा। इसमें सूबेदार, उपनिरीक्षक संवर्ग, प्लाटून कमांडर की सीधी भर्ती शामिल है। न्यूनतम ऊंचाई 163 सेमी, सीना बिना फुलाए 78 सेमी और फुलाए जाने के बाद 83 सेमी होना अनिवार्य है। यह छूट केवल एसटी वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को ही मिलेगी। इस छूट के बाद पीएससी ने गृह विभाग के अंतर्गत पुलिस भर्ती की आवेदन तिथि में वृद्धि की है। पूर्व में 23 अक्टूबर से 21 नवंबर तक आवेदन मांगे गए थे। अब 11 से 25 दिसंबर तक पुन: पोर्टल खोल दिया गया है। इसके जरिए 341 पदों पर भर्ती होनी है। त्रुटि सुधार के 26 और 27 दिसंबर का समय निर्धारित किया गया है। जो पूर्व में आवेदन कर चुके हैं, उन्हें दोबारा आवेदन की आवश्यकता नहीं है।

इस्तांबुल हवाई अड्डे पर इंडिगो के 400 यात्री 24 घंटे से फंसे, नहीं मिला खाना-पीना

नईदिल्ली (आरएनएस)। इंडिगो के साथ यात्रा कर रहे 400 यात्री उड़ान में देरी होने की वजह से पिछले 24 घंटे से तुर्की के इस्तांबुल हवाई अड्डे पर फंस हुए हैं। यात्रियों को न खाना मिला और न पानी।यात्रियों के रहने के लिए भी कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया है। उनको पूरा दिन हवाई अड्डे पर ही बितना पड़ा। यात्रियों में अधिकतर दिल्ली, मुंबई और तुर्की के लोग हैं।हवाई अड्डे पर यात्री इडिगो एयरलाइंस से काफी नाराज दिखे।

12 दिसंबर को रात 8:10 बजे रवाना होने वाली इस्तांबुल से दिल्ली की इंडिगो उड़ान को अगले दिन दोपहर 1:30 बजे तक के लिए टाल दिया गया।इसी तरह इस्तांबुल से मुंबई की उड़ान, जो 12 दिसंबर को रात 8:15 बजे रवाना होनी थी, उसे पहले रात 11 बजे तक, फिर अगली सुबह 10 बजे तक के लिए विलंबित कर दिया गया।इससे मुंबई और दिल्ली के यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। यात्रियों के लिए कोई इंतजाम नहीं था। दिल्ली और मुंबई को लगातार विलंबित करने और टालने के बाद भी इंडिगो की ओर से यात्रियों की कोई मदद नहीं की गई। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा किया।यात्रियों ने बताया कि न तो उनके रहने के लिए कोई इंतजाम किया गया और न ही खाना-पानी ही पूछा गया।कुछ सोशल मीडिया में सामने आई तस्वीरों में बच्चे हवाई अड्डे पर ही फर्श पर सोते नजर आ रहे हैं।

संगम नोज पर पीएम मोदी और सीएम योगी ने की पूजा-अर्चना, उतारी त्रिवेणी की आरती

महाकुंभनगर, । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज की पावन धरा पर त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहे महाकुंभ के सफल आयोजन की कामना की। पीएम मोदी ने इस अवसर पर गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी की आरती कर वैश्विक कल्याण का भी संकल्प लिया। तीर्थ पुरोहितों के द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच पूरा कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

इस दौरान पीएम मोदी ने त्रिवेणी में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र भी अर्पित किए। इससे पूर्व पीएम मोदी ने प्रमुख साधु संतों का आशीर्वाद भी लिया। इस अवसर पर पीएम के साथ सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी निषादराज क्रूज पर सवार होकर संगम नोज पर पहुंचे। किला घाट पर फ्लोटिंग जेटी से होते हुए वो क्रूज पर सवार हुए। व्हाइट कुर्ता-पजामा, ब्लू जैकेट, मैरून कलर की शॉल पहने पीएम मोदी ने क्रूज पर सवार होने के बाद डेक पर खड़े होकर यमुना की लहरों को निहारा। यहां से वह घूम-घूमकर पूरे क्षेत्र का अवलोकन भी करते नजर आए। इसके बाद रिवर क्रूज पर विहार का भी आनंद उठाया। संगम नोज पर सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने एक बार फिर उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी ने साधु संतों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया। इस दौरान एक संत ने उन्हें मोतियों की माला भी भेंट की।

यहां से पीएम सीधे संगम नोज पर बने पंडाल में पहुंचे। यहां उपस्थित तीर्थ पुरोहितों ने उन्हें आसन ग्रहण कराया। पीएम के अगल-बगल में सीएम योगी और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी आसन ग्रहण किया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पीएम मोदी ने पूजा अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों ने उनसे आचमन भी कराया। पीएम मोदी ने खड़े होकर त्रिवेणी का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। पीएम मोदी, सीएम योगी और राज्यपाल ने अक्षत, चंदन, रोली और पुष्पमाला के साथ ही त्रिवेणी में वस्त्र भी अर्पित किया। इसके बाद पीएम ने संगम आरती भी की। अंत में पीएम मोदी ने विशेष रूप से सजाए गए प्रांगण में फोटोशूट भी कराया।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

महाकुंभ एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी : प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि यहां दिन-रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया महानगर बसाने का महाभियान प्रयागराज की धरती पर नया इतिहास रचा जा रहा है।

उन्होंने महाकुंभ को लेकर कहा कि यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ 2025 के लिए शुक्रवार को प्रयागराज में 5,500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें प्रयागराज में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट सडक़ जैसी विभिन्न रेल और सडक़ परियोजनाएं शामिल हैं।